

**कसन स्त्री.** (तद्.) कसने की क्रिया, भाव, ढंग 2. कसाव, कसावट 3. पीड़ा दुख, कष्ट।

**कसना स.क्रि.** (तद्.) 1. जकड़ने या बाँधने के लिए तार, डोरी आदि को खींचना, तानना 2. मजबूती या दृढ़ता से बाँधना जैसे- ढीली गठरी को कसना, वीणा के तारों को कसना 3. पुर्जों को मजबूती से लगाना या बैठाना, पेंच कसना 4. बंधन को कड़ा करना 5. बर्तन आदि को बहुत ज्यादा भरना 6. घोड़ा या सवारी के साज को मजबूती से बाँधकर उसे तैयार करना 7. नियंत्रित करना उदा. अपने बेटे को कसो कहीं बिगड़ न जाय 8. घिसना, रगड़ना 9. कसौटी पर कसना, परखना 10. किसी उद्देश्य से मन को पक्का करना 11. दबाव डालना **अ.क्रि.** 1. मजबूती से बाँधना 2. बाँधे हुए अंग आदि का ज्यादा जकड़ा जाना उदा. कमरबंद से कमर कस गई 3. आभूषण या वस्त्र आदि पहनने की वस्तु का तंग होना 4. स्वयं को काबू में रख कर व्यवहार करना 5. कमी करना।

**कसनि स्त्री.** (तद्.) कसने का भाव या क्रिया।

**कसनिया स्त्री.** (तद्.) दे. कसनी।

**कसनी स्त्री.** (तद्.) 1. कसौटी, निकष 2. रस्सी 3. गिलाफ, खोली 4. कंचुकी, चोली (शरीर में पहनने का वस्त्र) उदा. हुलसे कुच कसनी बँद टूटे -जायसी(पद्मावत 280/4)।

**कसपत पुं.** (देश.) 1. कूट्र का पौधा 2. काले रंग का अन्न, कूट्र।

**कसब पुं.** (अर.) 1. उपार्जन, कमाई 2. व्यवसाय, उद्यम, धंधा 3. परिश्रम, कारीगरी 5. स्त्री का व्यभिचार से धन कमाना 6. वेश्यावृत्ति।

**कसबल पुं.** (तद्.) 1. सामर्थ्य 2. क्षमता, शक्ति, ताकत 3. साहस, हिम्मत, हौसला उदा. मैं तो समझती थी कि तुममें भी कुछ कसबल है - प्रेमचंद (मानसरोवर-अलग्योझा), किसी प्रकार की योग्यता।

**कसबी पुं.** (अर.) 1. व्यवसायी उदा. कोई फेरै माला कोई फेरै तसबी देखो रे लोगों दोनों कसबी -

कबीर (पद 38) 2. व्यभिचार से धन कमाने वाली स्त्री।

**कसबीखाना पुं.** (अर.) वेश्याओं का रहने का स्थान, वेश्यालय, कोठा।

**कसम स्त्री.** (अर.) सौगंध, शपथ मुहा. कसम उतारना- शपथ पूरी करके बंधन से मुक्त होना (स्वयं बंधन मुक्त होना); कसम खाना- किसी तरह की प्रतिज्ञा करना; कसम खिलाना/चढ़ाना/देना/दिलाना- शपथ देकर काम करने को बाध्य करना; कसम तोड़ना- किसी बात को शपथपूर्वक करने का वायदा करके भी शपथ पूरी न करना; कसम खाने को भी नहीं- नाम मात्र के लिए भी नहीं।

**कसमई स्त्री.** (देश.) 1. काले पंखों, गुलाबी पीठ एवं सीना तथा लाल चोंच वाला एक पक्षी 2. कसने की क्रिया या कार्य।

**कसमस स्त्री.** (अनु.) दे. कसमसाहट।

**कसमसाना अ.क्रि.** (देश.) चेष्टा करने या सक्रिय होने को आतुर होने लगना, परस्पर घर्षण करना जैसे- भीड़ में मनुष्यों का कसमसाना, कसमसाना **अ.क्रि.** 1. कुछ करने के लिए उत्सुक या सक्रिय होना 2. बेचैन होना 3. हल्की सी चेष्टा करना 4. कुलबुलाना, हिलना-डुलना।

**कसमसाहट स्त्री.** (देश.) कसमसाने की क्रिया, भाव, कुलबुलाहट 2. तनिक चेष्टा या प्रयत्नशीलता 3. कुछ करने को थोड़ी सक्रियता, उत्सुकता।

**कसमा-कसमी स्त्री.** (अर.) 1. परस्पर शपथ लेकर की हुई प्रतिज्ञा 2. दूसरे को शपथ लेते देखकर स्वयं भी उसके विपरीत शपथ लेना 3. दोनों पक्षों का शपथ लेने का कार्य।

**कसमिया क्रि.वि.** (अर.) शपथ पूर्वक।

**कसर स्त्री.** (अर.) 1. कमी, न्यूनता 2. त्रुटि, दोष, विकार उदा. क्या है ऐसी कसर तुझमें -हरिऔध (प्रियवास 15/28) 3. लेन-देन आदि में थोड़ी या सामान्य हानि, टोटा मुहा. कसर करना, छोड़ना, कसर रखना- किसी काम में कमी छोड़ देना; कसर खाना/सहना- हानि, घाटा उठाना, सहना;